# युवा अपराध में घर एवं परिवार की भूमिका

**डॉ० अशोक कुमार**

व्यक्ति के व्यक्तित्व के प्रारम्भिक एवं मूल लक्षणों का निर्माण परिवार में होता है तथा उसके जीवन पर परिवार का गहन प्रभाव पड़ता है। परिवार बालक के जीवन के प्रथम पाँच वर्षों में उसका समस्त सामाजिक पर्यावरण प्रदान करता है तथा एक अच्छी मात्रा में बाद में भी आने वाले कई वर्षों में पर्यावरण प्रदान करता है। यह मानवीय व्यक्तित्व का गर्भाशय है। इस छोटे से प्राथमिक समूह को राज्य अपने भविष्य के नागरिकों की उनके जीवन के अत्यन्त निर्माणात्मक वर्षों में प्रारम्भिक देखभाल एवं प्रशिक्षण का उत्तरदायित्व देता है। इससे घर एवं परिवार हमारे कुल सांस्कृतिक आदर्शों का केन्द्र बन जाते हैं। इसके विपरीत परिवार के अपराधिक आचरण का प्रत्यक्ष परिणाम बालकों के अपराध के रूप में प्रकट होता है।